



अजमेर

Rashtradoot

फोन:- 2627612, 2427249 फैक्स:- 0145-2624665

वर्ष: 28 संख्या: 333

प्रभात

अजमेर, मंगलवार 2 जुलाई, 2024

आर.जे./ए.जे./73/2015-2017

पृष्ठ 8

मूल्य 2.50 रु.

अपने पौन घंटे के भाषण में राहुल गांधी ने समां ज़खर बांधा संसद में

राहुल ने ये संकेत भी दिये कि, “लीडर ऑफ ऑपोजिशन” की भूमिका में पूरी तरह से आक्रामक तो रहेंगे

-रेणु मित्र-

-राष्ट्रदूत दिल्ली व्यूरो-
नई दिल्ली, 1 जुलाई। विषय के नेता के रूप में राहुल गांधी ने अपने पहले भाषण में छोटा लगा दिया। भाषण के दौरान अधिनंत्री सहित पांच वरिष्ठ क्रांतिकारियों ने उनकी विरोध करने के लिए हस्तक्षेप करना पड़ा।

आज राहुल गांधी “एंग्री यंग मैन” के अपने नए अवतार में नज़र आए, जहाँ उन्होंने किसी को नहीं बचाया, ना तो प्रधान मंत्री, ना ही उनकी सरकार और ना ही योंग को, जो लगातार इन पर वार करते रहे।

राहुल गांधी ने भाषण समर्थक तथा भाषण विरोधी ताकों के बीच गहरी खाई पैदा करके एक नैटवर्क सेट कर दिया है जिसका अब भाषण को अनुसरण करना ही होगा। राहुल गांधी ने अपने मूल लोड बैंक, दिल्ली, पिछड़ाने के लिए अपने लोगों के मन किया गया।

उन्होंने भाजपा और करना होगा। हमला जारी रखते हुए आर.एस.एस. पर, उनके हिन्दूव व राहुल गांधी को महांगांड, बोजागरी, नीट हिन्दूवाद को लेकर भी हमला गोला। और मध्यम द्वारा और उपर्यामी, महिलाओं द्वारा इनका उल्लंघन होना है। और अन्य मुद्दों पर, उनकी विरोध करने से भारी है तथा वो इसका उल्लंघन करते हुए, जिसे अब खत्म किया गया।

- पर, क्या वे इस भूमिका को आगे भी पूरी तरह चला पायेंगे, क्योंकि सरकार की ओर से पौंच वरिष्ठ मंत्री, जिनमें प्रधानमंत्री शामिल हैं, खड़े हुए, राहुल के भाषण में उठाये गये मुझे और आरोपों का जवाब देने के लिये।
- इन वरिष्ठ नेताओं ने एक अभियान सा चलाया राहुल के खिलाफ और यह आरोप लगाया राहुल पर कि, वे संपूर्ण हिन्दू समाज को हिन्दू आंतकवादी, देशद्रोही तथा हिंसा में विश्वास रखने वाला मानते हैं।
- राहुल ने संसद में यह दस्तक तो दे दी कि, ‘‘एंग्री यंग मैन’’ संसद में आ पहुंचा है, पर, राहुल के लिये आगे की राह बहुत लंबी है।

उपरोक्त अडानी व अंबानी जैसे बड़े करते हैं। उन्होंने कहा, मोदी ने लोगों के मन किया गया। उन्होंने भाजपा और करना होगा। हमला जारी रखते हुए आर.एस.एस. पर, उनके हिन्दूव व राहुल गांधी को महांगांड, बोजागरी, नीट हिन्दूवाद को लेकर भी हमला गोला। और मध्यम द्वारा और उपर्यामी, महिलाओं द्वारा इनका उल्लंघन होना है। और अन्य मुद्दों पर, उनकी विरोध करने से भारी है तथा वो इसका उल्लंघन करते हुए, जिसे अब खत्म किया गया।

दिया है, जिसमें आरोप लगाया है कि राहुल गांधी के अनुसार सभी हिन्दू आंतकवादी, राष्ट्रविरोधी हैं तथा हिंसा में विश्वास करते हैं।

विश्व बैंक के प्रतिनिधियों ने मु.मंत्री से मुलाकात की

जयपुर, 1 जुलाई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सोमवार को उनके आवास पर वर्ल्ड बैंक के प्रतिनिधि मंडल ने मुलाकात की। उन्होंने अधिनियम भंडल के सदस्यों के साथ राजस्थान में सड़क, जल, विजली, नगरीय विकास और पर्यावरण क्षेत्र के विषयों पर चर्चा की। इस दौरान प्रदेश के विकास में वर्ल्ड बैंक की भूमिका को लेकर भी विश्व बैंक की

- मुख्यमंत्री के आवास पर हुई चर्चा में मु.मंत्री भजनलाल ने उच्च राजस्थान में चल रही विकास परियोजनाओं की जानकारी दी।

हुई। भजनलाल शर्मा ने प्रतिनिधि मंडल के साथ राजस्थान में चल रही परियोजनाओं एवं विश्वास सेक्रेटरी में किए जा रहे विकास कार्यों सहित भविष्य के विजन की जानकारी साझा की। इस 6 सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल में भावाना भाटीया, अर्नब उच्ची गांधी के बारे में बहुत लंबा है। रोकन देश के सभी संसदीय विषयों पर एंग्री यंग मैन के युग की राजनीति के बारे में बहुत लंबा है। यह उनकी विरोध के बारे में बहुत लंबा है। यह उनकी विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

गांधी के विरोध के बारे में बहुत लंबा है।

ग

विचार बिन्दु

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, सबसे आगे सोचो, विचारों पर किसी का भी एकाधिकार नहीं है। -धीरुभाई अंबानी

तीन नए कानून - राहत या आफत ?

1

जुलाई 2024 से भारत में न्याय प्रक्रिया से संबंधित तीन नए कानून, भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता एवं भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू कर दिए गए हैं। इन्हें 25 फरवरी, 2023 को राष्ट्रिय की सहमति प्राप्त हुई थी। ये कानून भारतीय दंड संवित 1860, आपराधिक प्रक्रिया संहिता 1973 और भारतीय न्याय अधिनियम 1872 के स्थान पर लाए गए हैं। नए कानूनों को मुख्य देशव्यय या यह कि विशिष्ट काल के औपचारिकों के स्थान पर लाए गए हैं। नए कानूनों के मुख्य देशव्यय कानून बनाए जाएं। एक जेस्यू यह भी था कि न्यायालय में चरने वाले प्रकारों में अतिरिक्त विलोक्य को देखते हुए प्रक्रिया में बदलाव किया जाए ताकि नागरिकों को न्याय व्यवस्था के अंतर्गत न्याय, बिना परेशानी के समय पर मिल सके।

सरकार, नए कानूनों को बहुत प्रतिरोधील एवं नागरिकों के लिए बहुत बहुत करने वाले कई समाजिक व्यक्तिगतीय एवं अधिकारियों द्वारा उपरोक्त कानूनों के मौलिक अधिकारों का हनन करने वाले रहे हैं।

अब हम नए कानूनों को जनता पर होने वाले प्रभाव का विश्लेषण करने का प्रयास करेंगे।

यह उल्लेखनीय है कि कानूनों को उस समय संसद द्वारा प्राप्त किया गया वह जब लोकसभा के 146 विधायी संसदों को सदन से निर्वाचित कर दिया गया था। इस कारण, इन महत्वपूर्ण कानूनों पर, जिन्होंने विस्तृत बहस संसद में होनी चाहिए थी, वह विकल्प नहीं हुई। सरकार द्वारा बहुत के बल पर ये कानून बिना द्वायांकित चर्चा के अनुरूपीदंड करा दिए गए।

पहले हम मन का द्वारा नहिं है वह कानून पर हानी बढ़ावा देता है।

नए कानून में यह प्रावधान किया गया है कि किसी घटना की जिरो एक आई और किसी भी थाने में दर्ज कराई जा सकती है, चाहे घटना की भी घटित क्यों न हुई हो। 15 दिन के अंदर इसे संबंधित थाना अधिकारी को भिजवा दिया जाएगा। इसका प्रभाव यह होगा कि जिस व्यक्ति के साथ कोई भी घटना घटित होगी, तो उसे किसी भी थाने द्वारा एक आई और दर्ज करने से मना नहीं किया जाएगा, जैसा कि वर्तमान में यह बोनी व्याधिकारों के लिए बाले पर दिया जाता है।

कुछ छोटे अपराधों में, जिन पर साक्षात् किया गया है, यह किसी छोटे अपराध करने वाले व्यक्ति को अपनी गलती को महसूस करने एवं उस पर प्रावधान करने का अवसर प्रदान करेगा। यह व्यक्ति को दृष्टि से राहत प्रदान करने वाला अच्छा सुधारात्मक कदम कहा जा सकता है।

जिन व्यक्तियों पर न्यायालय में मुकदमा चल रहा है और जो अंडर द्याल की तरह जेल में बढ़ते हैं, उन्हें संबंधित अपराध के लिए निर्धारित साजा का एक तिहाई दर्जा नहीं पर उन्हें जेल से रिहा किया जा सकता है। अपराध संबंधी सजा की साथ सजा भगत लेना आवश्यक था। इससे जेलों में बदल कई दिनों को राहत मिलती है।

कोई गंभीर अपराधों में जैसे बालकों के साथ यीन अपराध, बलाकार, गैरप्रेरणी आदि के लिए अधिक सजा का प्रावधान किया गया है। नई कानूनों को आश्वासन देने के नाम पर खोड़े में रुक्कर किसी महिला से यीन संबंधी सजा के नाम पर आवश्यक था।

‘मोर लिंगिंग’ को कोई उल्लेख पुरुष कानून में ही नहीं था, और इसले अपराध मानते हुए इसके लिए मूल्युन्डं तक का प्रावधान किया गया है। इस कड़े प्रावधान के कारण संभावना है कि आगे वाले समय में भी द्वाया किसी व्यक्ति की राहत मिलती है।

न्यायिक प्रबलणों में व्याख्या स्तरों पर निस्तारण की समय सीमा निर्धारित की गई है, जैसे पुलिस को चार्चामूल, न्यायालय में प्रस्तुत करने हेतु 30 दिन का अधिकतम समय दिया गया है। बहस सुनने के बाद 15 दिन में फैसला सुनाया जाएगा।

उपरोक्त विवरण के अनुसार, जहाँ इन कानून से कुछ राहत नागरिकों को मिलने की उम्मीद है, वही कई अधिकवाताओं एवं सामाजिक कार्यकारीओं को आशंका है कि नए कानून, तानाशाही व्यवस्था को स्थापित करेंगे एवं एक प्रकार से पुलिस देखा जाएगा।

वर्तमान में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के साथ यीन अपराध, बलाकार, गैरप्रेरणी आदि के लिए अधिक सजा का प्रावधान किया गया है। नई कानूनों को आशंका है कि यह किसी छोटे अपराध करने वाले व्यक्ति को अपसरण करने के नाम पर खोड़े में रुक्कर किसी महिला से यीन संबंधी सजा का प्रावधान किया गया है।

यह व्यक्तियों पर न्यायालय में मुकदमा चल रहा है और जो अंडर द्याल की तरह जेल में बढ़ते हैं, उन्हें संबंधित अपराध के लिए निर्धारित साजा का एक तिहाई दर्जा नहीं पर उन्हें जेल से रिहा किया जा सकता है। सत्ता का प्रभाव यही एक सजा का प्रावधान किया गया है। इससे अनुरूप दर्जा के बाहर काम करेगा।

नए कानून में, हालांकि राजदाने के अपराध का प्रावधान दिया गया है, किंतु इनके स्थान पर पुलिस को यह अधिकार दें दिया गया है कि वह किसी भी व्यक्ति को कुछ भी लिखान, बोलने या सोशल मीडिया के ऊपर भी किसी प्रकार की बात करने पर, वरिष्ठ योग्य योगी दोहरी ही पाता व इनके द्वारा काम करने से मना किया जा सकता है। सत्ता का प्रभाव यही इनके बाहर काम करेगा।

एक अपराधी को प्रावधान किया गया है, किंतु इनके स्थान पर पुलिस को यह अधिकार दें दिया गया है कि वह किसी भी व्यक्ति को कुछ भी लिखान, बोलने या सोशल मीडिया के ऊपर भी किसी प्रकार की बात करने पर, वरिष्ठ योग्य योगी दोहरी ही पाता व इनके द्वारा काम करने से मना किया जा सकता है।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस याने में दर्ज किया जाएगा। इससे कई प्रकार के दूसरे को भिजवा दिया जाएगा।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस याने में दर्ज किया जाएगा। इससे कई प्रकार के दूसरे को भिजवा दिया जाएगा।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस याने में दर्ज किया जाएगा। इससे कई प्रकार के दूसरे को भिजवा दिया जाएगा।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस याने में दर्ज किया जाएगा। इससे कई प्रकार के दूसरे को भिजवा दिया जाएगा।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस याने में दर्ज किया जाएगा। इससे कई प्रकार के दूसरे को भिजवा दिया जाएगा।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस याने में दर्ज किया जाएगा। इससे कई प्रकार के दूसरे को भिजवा दिया जाएगा।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस याने में दर्ज किया जाएगा। इससे कई प्रकार के दूसरे को भिजवा दिया जाएगा।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस याने में दर्ज किया जाएगा। इससे कई प्रकार के दूसरे को भिजवा दिया जाएगा।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस याने में दर्ज किया जाएगा। इससे कई प्रकार के दूसरे को भिजवा दिया जाएगा।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस याने में दर्ज किया जाएगा। इससे कई प्रकार के दूसरे को भिजवा दिया जाएगा।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया गया है कि पहले शिकायत के रूप में उसे पुलिस याने में दर्ज किया जाएगा। इससे कई प्रकार के दूसरे को भिजवा दिया जाएगा।

वर्तमान समय में किसी भी व्यक्ति द्वारा थाने के जाने पर उसकी एफआईआर दर्ज किए जाने की अनिवार्यता पुलिस पर थी। अब यह प्रावधान किया



Pacific Medical University, Udaipur

(Established by the Rajasthan state legislative assembly by an Act No. 6 of 2014 dated March 04, 2014 & approved under section 2(f) of the UGC Act, 1956)



DISCOVER YOUR FUTURE WITH PMU

Pacific Medical University brings you a brilliant opportunity to make a career in medical profession. Enroll Now.

Take care of those who need the care most.

Take care of your career.

**100%
JOB
ASSURANCE**

**ADMISSION
OPEN 2024-25**



COURSE OFFERED

PACIFIC DENTAL COLLEGE & RESEARCH CENTER

BDS 4 Year

Eligibility : 10+2 in PCB & NEET

MDS 3 Years

Eligibility : BDS & NEET

PACIFIC COLLEGE OF PHYSIOTHERAPY

B.P.T. 4 Years

Eligibility : 10+2 in (PCB)

M.P.T. 2 Years

Eligibility : B.P.T. with minimum 50% marks

MEDICAL & ALLIED

M.Sc. in Medical 3 Years

- Anatomy ▪ Physiology ▪ Microbiology
- Biochemistry ▪ Pharmacology

Eligibility : MBBS, BDS, BPT, BOT, BSLP, B.Pharma, B.Sc.

M.Phil Clinical Psychology 3 Years

Eligibility : MBBS, BDS, BPT, BOT, BSLP, B.Pharma, B.Sc.

FACULTY OF LIFE SCIENCE

B.Sc. in Clinical Embryology 3 Years

Eligibility : 10+2 Class with PCB

M.Sc. in Clinical Embryology 4 Sem.+

1 Year Internship

Eligibility: B.Sc. in any discipline of Life Sciences, Biosciences, Bachelor's degree in any of Physic, Biological Sciences, M.B.B.S, BDS, BAMS, BHMS, B.Pharma.

TIRUPATI SCHOOL OF NURSING

GNM 3 Years

Eligibility : 10+2 in (PCB)

PACIFIC COLLEGE OF OCCUPATIONAL THERAPY

BOT 4 Years + 6 Months Internship

Eligibility : 10+2 in (PCB)

MOT 2 Years

Pediatrics, Neuroscience, Mental Health, Orthopedics, Hand Rehabilitation

Eligibility : Passed BOT with minimum 50% marks

PH.D. & RESEARCH PROGRAMME

Minimum 3 Years

Eligibility : Post Graduation with 55% marks

1. Ph.D. (Medical)

2. Ph.D. (Nursing)

3. Ph.D. (Physiotherapy)

4. Ph.D. (Dentistry)

5. Ph.D. (Clinical Embryology)

6. Ph.D. (Clinical Psychology)

7. Ph.D. (Occupational Therapy)

8. Ph.D. (Paramedical Sciences)

PACIFIC COLLEGE OF PARAMEDICAL SCIENCES

DIPLOMA Duration : 2 Year

Eligibility : 10+2 in PCB/PCM- Guidelines as per RPMC

1. Medical Laboratory Technology

2. Radiation Technology

3. Operation Theater Technology

4. Cath Lab. Technology

5. Orthopedic Technology

6. Dialysis Technology

7. Emergency & Trauma Care Technology

8. ECG Technology

9. Blood Bank Technology

10. Endoscopy Technology

11. EEG Technology

12. Ophthalmic Technology

BACHELOR Duration : 3 Year + 1 Year

Eligibility : 10+2 in PCB/PCM- Guidelines as per RPMC

1. Medical Laboratory Technology

2. Radiation / Medical Imaging Technology

3. Ophthalmic Technology

4. Operation Theater Technology

5. ECG Technology

6. Endoscopy Technology

7. Emergency & Trauma Care Technology

8. Dialysis Technology

9. EEG Technology

10. Orthopaedic Technology

For More Detail 7877936755

PACIFIC MEDICAL UNIVERSITY, UDAIPUR

Bhilo ka bedla, (Amberi) Udaipur, Rajasthan | Ph. Contact : +91 9672978095, 9587892883

info@pacificmedicaluniversity.ac.in

www.pacificmedicaluniversity.ac.in

भाजपा प्रत्यासी विजय घोषित

मंत्रीजन-किशनगढ़, (निस.)। नगर परिषद बार्ड 15 के उपचुनाव में भाजपा प्रत्यासी जगदीश विंहं शेखावत ने 4 दोस्रे से जीत किया। सोमवार को उपचुनाव के पराजित किया। सोमवार को उपचुनाव के बाकी अवसर पर सोमवार को जगदीश विंहं शेखावत होते ही भाजपा युवा नेता सुभाष चौधरी के नेतृत्व में भाजपाइयों ने एक दूसरे को बाहर देकर जन भवान वार्ड में भाजपा पार्षद मानाराम जट का सरकारी सेवा में चयन होने के कारण उन्होंने त्यापन दे दिया। उपचुनाव में 59.46 प्रतिशत मतदान हुआ और 1628 मतदाताओं में से 968 मतदातों ने मंत्री जगदीश विंहं शेखावत को उपचुनाव के प्रति लोगों में जनजागरकता के लिए रैली निकाली।

मेडिकल कॉलेज प्राचार्य डॉ. वीर बहादुर निहं ने बताया कि बिंब डॉक्टर्स डे के अवसर पर सोमवार को जेलएन

अंगदान के प्रति प्रेरित करने के लिए डॉक्टरों ने निकाली जागरूकता रैली



जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

डॉक्टर्स डे पर शहर भर में हुए आयोजन, चिकित्सकों को सम्मानित किया

मेडिकल कॉलेज परिसर में सुबह 9 बजे रक्तदान शिविर का आयोजन हुआ, जिसमें फेंकली स्टाफ, रेजीडेंट चिकित्सकों, सीनियर चिकित्सकों सहित यथा स्टाफ ने रक्तदान शिविर में चिकित्सकों को उत्सव देखते ही बन रहा है। लगभग सौ यूनिट रक्त संग्रहित किया गया। डॉ. सिंह ने बताया कि इससे पूर्व लोगों में अंग दान के प्रति जागरूकता लाने के लिए रैली भी निकाली गई। रैली

मेडिकल कॉलेज से प्रारंभ हुई जो विभिन्न मार्गों से होते हुए युन. मेडिकल कॉलेज में संपर्क हुई रैली में चिकित्सकों के हाथ में स्लोगन लिखी तरिक्यों थी। कार्यक्रम में चिकित्सकों की बालोंवाले चिकित्सकों के बाले रक्तदान करने वाले चिकित्सकों के सम्मानित भी जाग रखा। करीब 70 चिकित्सकों को जिला कोलेजर डॉ. भारती दीक्षित ने प्रशंसित पत्र देकर निर्सिंग स्टाफ के तत्वावधान में आयोजित डॉक्टर्स डे के

अवसर पर सोमवार को राजावीर साहिब दुग्ध माता दरबार के महन्त स्थानी द्वालगिरी गोस्वामी का ठहराया। नैवानी ने डिग्गे बाजार ठराय चौक स्थित राजकीय शहरी स्वास्थ्य के उल्कट कार्य करने वाले रक्तदान करने वाले चिकित्सकों के बालोंवाले चिकित्सकों के बालोंवाले चिकित्सकों को सम्मानित किया। करीब 70 चिकित्सकों को जिला कोलेजर डॉ. भारती दीक्षित ने प्रशंसित पत्र देकर निर्सिंग स्टाफ का माला व साफा प्रहनकर किया।

पहानकर सम्मानित किया। इससे पूर्व महन्त ठहरायी गोस्वामी का डॉ. ईश्वरलाल नैवानी ने माल्वार्या के अधिनन्दन किया। कार्यक्रम संयोजक महासचिव रेशेश लालबानी ने बताया कि क्रियाकारी अनुसार डॉक्टर राजमल कुमावत, एसआई शिव बरण, विंड्रेंड कुमार, राधेलाल, चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर राजेन्द्र शर्मा, डॉक्टर अरविंद उदय, नगर पालिका कार्यपालिका शिव प्रकाश और अमित अमद, जेपी पांड्या, पार्वद मोहित गोरुल, रुपा सिंह राजेन्द्र, दैलेत राम माणकावानी, लक्ष्मीकृत छिपा, पुलिस प्रिंस सुरेंद्र सिंह शार्दी, त्रिलोकचंद्र प्रजपाता, दीपेश सोनी, सदीक सुरक्षा सचिव अंगनवाड़ी कार्यकारी ग्राम रक्षक संघ निकाली।

डॉक्टर्स डे पर शहर भर में हुए आयोजन, चिकित्सकों को सम्मानित किया

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगदान के प्रति लोगों में जनजागरूकता के लिए रैली निकाली।

जेलएन अस्पताल के चिकित्सकों ने अंगद

